मुंबई अग्रवाल संस्था का युवक-युवती परिचय सम्मेलन

मुंबई - अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन का कार्यक्रमभानु प्रकाश मिश्र मुंबई, अग्रवाल समाज की प्रमुख संस्था, मुंबई अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन के तत्वावधान में मालाड पश्चिम के एस.वी. रोड स्थित बजाज हॉल में अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमे बड़ी संख्या में ३५ वर्ष से अधिक आयु के युवक युवतियों ने अपने अभिभावकों के साथ भाग लिया. पिछले २८ सालों से संस्था समाज से दहेज प्रथा के उन्मूलन को ध्यान में रखकर विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के साथ युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित करती आ रही है. इसका बड़ा सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है. लोग परिचय सम्मेलनों में विवाह योग्य लडके लडकियों के लिए सुयोग्य जोड़ीदार ढूंढने के लिए उत्साह के साथ शामिल होते हैं. सरदारी लाल जैन की प्रेरणा से गठित इस संगठन को समाज में विकसित करने में योगेंद्र राजपुरिया, संतोष बंसल, श्रीधर गुप्ता, सुरेंद्र विकल, अतुल जैन, विनय

अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद मुरारका आदि का विशेष योगदान रहा है. दहेज प्रथा उन्मूलन मुख्य उद्देश्य जिस तरह से प्रतिस्पर्धा के चलते समाज में दहेज प्रथा पैर पसार रहा था उससे मध्यम और कमजोर वर्ग के लिए अपने लडकियों के लिए शादी करना कठिन होता जा रहा था. इसी को ध्यान में रखकर डालचंद गुप्ता ने अपने कुछ नजदीकी सहयोगियों के साथ सन १९८९ में संस्था की स्थापना की थी. इसके माध्यम से परिचय सम्मेलन का आयोजन कर लोगों को आमंत्रित किया जाता था. शुरुआत में लोग आने से हिचकते थे लेकिन धीरे धीरे कारवां आगे बढ़ता गया और आज २८ साल का लंबा सफर तय हो गया है. इस समय के बीच संस्थान के माध्यम से हजारों परिवारों का घर बसाया जा चुका है. आज प्रौढ़, विधवा-विधुर-परित्यक्त तथा बुजुर्गों का भी परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाता है. उच्च शिक्षित अग्रवाल लडके लडकियों के लिए भी विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाता है. संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डालचंद गुप्ता के अनुसार इस सम्मेलन में १९ युवकों तथा १७ युवतियों ने भाग लेकर अपना परिचय दिया. इसके पूर्व के आयोजनों में भी बड़ी संख्या में युवक-युवतियां शामिल हुए थे. सम्मेलन में जिस तरह से समाज के लोगों ने उत्साह दिखाते हुए अपने बच्चे-बच्चियों के साथ कुल, गोत्र, परिवार आदि का परिचय दिया उससे लगभग दर्जन से अधिक रिश्ते तय होने की उम्मीद है. परिचय सम्मेलन की संयोजिका ज्योति गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में प्रेम सागर गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, ओंकारमल चौधरी, नीलम अग्रवाल, भूषण गगरानी, रमन अग्रवाल, विश्वनाथ भरतिया, विश्वनाथ चौधरी आदि मौजूद थे. संचालन बी.के. अग्रवाल ने किया. अंत में आभार विनय अग्रवाल ने व्यक्त किया.

वरिष्ठ नागरिक सेल के चेयरमैन पद पर मनमोहन गुप्ता की नियुक्ति

मंथन संवाददाता/मुंबई

कांग्रेस मुंबई अध्यक्ष संजय निरूपम ने गांधी विचार मंच के अध्यक्ष और समाज सेवक मनमोहन गुप्ता को मुंबई विभाग के वरिष्ठ नागरिक सेल का चेयरमैन नियुक्त किया है. संजय निरूपम ने गुप्ता के सामाजिक कार्यों को देखते हुए उनको यह जिम्मेदारी सौंपी है. नियुक्ति पत्र मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुप्ता ने कहा कि संजय निरूपम ने बुजुर्गों की मदद के लिए हमें जो जिम्मेदारी दी है, उस पर खरा उतरने का मैं भरसक प्रयास करूंगा. उन्होंने कहा कि हमारे समाज में विशेष कर शहरों में वरिष्ठ नागरिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इनकी समस्याओं को हल करने का वीणा कांग्रेस ने उठाया है. इसी के तहत वार्ड स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों की गणना कर पूरे मुंबई के बुजुर्गों का डाटा तैयार किया जाएगा. कांग्रेस पदाधिकारी जरूरत के अनुसार उन्हें सरकार से मदद दिलाने का प्रयास करेंगे. गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जरूरतमंदों की मदद के लिए अग्रसर रही है.

हल होंगी प्रकल्पग्रस्तों की समस्याएं

मंथन संवाददाता/नवी मुंबई

पनवेल में तैयार हो रहे नवी मुंबई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के अंतर्गत बाधित गणेशपुरी, वाघिवली, उलवा एवं तरघर के प्रकल्पग्रस्तों की समस्याओं का समाधान १५ दिनों के भीतर किया जाएगा. ऐसा भरोसा सिडको की जेएमडी प्राजक्ता लवंगारे वर्मा ने शेकाप नेता विवेक पाटिल के साथ एक बैठक में दिलाया. इसमें मछुआरों से जुड़े मुद्दों का भी समावेश है, जिसे सिडको के सह व्यवस्थापकीय संचालिका ने सुलझाने का वादा किया है.

अनशन पर भी न न्याय मिला, न नौकरी

आशु यादव/नवी मुंबई

पावणे की वस्त्र निर्माता कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज के १७१ कामगार जबरन कंपनी बंदी के विरोध में सड़क पर हैं. १२० दिनों से वे कंपनी को फिर चालू करने और अपनी रोजी रोटी वापस देने की मांग कर रहे हैं. श्रमिकों का आरोप है कि ठाणे श्रम विभाग कंपनी प्रबंधन से साठगांठ कर मामला सुलझाने की बजाय माल कमाने में जुटा है. फलस्वरुप ४ महीने बाद भी कामगारों को न तो न्याय मिला है न ही नौकरी मिल सकी है. कामगारों ने पीड़ा बयान करते हुए बताया कि उनके सामने जिन्दा रहने के लिए राशन-पानी का पैसा तक नहीं बचा है. वे दोस्तों-रिश्तेदारों के रहमोकरम पर जी रहे हैं. उन्होंने इंसानियत का हवाला देकर राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई है. १४ जुलाई २०१७ को जब प्रबंधन ने बिना बताए जब आलोक में ताला लगाया तब यहां १२०० कामगारों पर अचानक मुसीबत आ पड़ी थी. कामगार रंजय सिंह ने कहा कि सैकड़ों टेंपरेरी कर्मचारी तो हारकर चले गए. लेकिन आलोक को अपने खून पसीने से सींचने वाले १७१ परमानेंट कर्मचारी न्याय की उम्मीद में तबसे यहां गेट पर बैठे हैं. इस सद्मे से अनंता कदम हार्ट अटैक में जान गंवा चुके हैं.

उद्योगपति व समाजसेवी महावीरप्रसाद सराफ ने कांजुरमार्ग व बांद्रा की गरीब महिलाओं को भारी संख्या में स्टेनलेस स्टील के बडे कैन का मुफ्त वितरण किया। यह कार्य किरणदेवी सराफ ट्रस्ट की ओर से किया गया। चित्र में महिलाओं को केन बांटते हुए सराफ।

मंथन व्यापार

एयरटेल और कार्बन ने दो नये ४जी स्मार्टफोन किये लॉन्च

मुंबई : भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल (''एयरटेल'') ने आज कार्बन मोबाइल्स के साथ साझेदारी के अंतर्गत दो नये एंड्रॉइड पॉवर्ड ४जी स्मार्टफोन्स के लॉन्च की घोषणा की है। इन नये स्मार्टफोन को फीचर फोन की कीमत पर पेश किया गया है। यह लॉन्च एयरटेल की 'मेरा पहला स्मार्टफोन' पहल का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक भारतीय को ४जी स्मार्टफोन खरीदने और डिजिटल दुनिया में आने में सक्षम बनाना है। 'ए१ इंडियन' स्मार्टफोन केवल १७९९ रू. (४३९० रू. के एमआरपी की तुलना में) और 'ए४१ पॉवर' १८४९ रू. (४२९० रू. के एमआरपी की तुलना में) में उपलब्ध होगा। दोनों डिवाइसेस में फुल टच ४ इंच स्क्रीन, १ जीबी रैम, ड्यूअल सिम स्लॉट्स, ड्यूअल कैमरा और कई विशेषताएं होंगी। गूगल द्वारा प्रमाणित ४जी स्मार्टफोन नये एंड्राइड ७.० नौगट ओएस पर चलते हैं और गूगल प्ले स्टोर पर यूट्यूब, फेसबुक और व्हाट्सएप समेत सभी एप्स तक पूरी पहुँच देते हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों स्मार्टफोन में माय एयरटेल एप, एयरटेल टीवी और विंक म्यूजिक है, ताकि ग्राहकों को सेल्फ-सर्व और कंटेन्ट अनुभव मिल सके।

फ्यूचर जनराली ने एक गांव लिया गोद

मुंबई - फ्यूचर जनराली इंश्युरंस इंडिया कम्पनी लिमिटेड (एफजीआईआई), रिटेल के क्षेत्र के महारथी फ्यूचर समूह और वैश्विक बीमाकर्ता जनराली के सयुक्त उप्रकम की सामान्य बीमा शाखा ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के चार इलाके कड़व पाड़ा, भोंगे पाड़ा,गवरी पाड़ा और कामत पाड़ा को गोद लिया है और इनका उद्देश्य गाँव के सर्वांगींण विकास का है। संस्था गोद लिए इलाकों में ५९१ सदस्यों वाले १३२ परिवारों को सफाई, साफ़ पानी, बिजली, व्यस्क शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण मुहैया कराना चाहती है। यह कार्य फ्यूचर जनराली इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी कार्यक्रम 'स्नेह' का हिस्सा है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े मुख्य मुद्दों के लिए टिकाऊ सोल्यूशन निर्मित करने और उनका समर्थन करने के प्रति समर्पित है। परियोजना प्रदेश में ग्रामीण उत्थान को समर्पित लोकनायक जयप्रकाश नारायण लेप्रोसी इरेडीकेशन ट्रस्ट के साथ मिलकर अमल में लायी जा रही है।

लघु फिल्म चाय का कप का प्रदर्शन

मुंबई : फिनोलएक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सीएसआर ट्रस्ट मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) ने शनिवार, ११ नवंबर को बालदिन की पहल के हिस्से के रूप में अपनी पहली विज्ञापन फिल्म की शुरुआत की। 'कप ऑफ चाय' शीर्षक से, यह तीन मिनट की लघु फिल्म है जो ग्रामीण भारत के शिक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। इसके साथ ही, फाउंडेशन ने आरओ जल प्रणालियों के लिए धन जुटाने और महाराष्ट्र औरउसके आसपास के स्कूलों और गांवों के लिए अन्य सुविधाएं शुरू करने के लिए अपना पहला भीड़-अभियान चलाया। इस अवसर पर श्रीमती रितु छाबड़िया, निदेशक - फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और प्रबंध निदेशक - मुकुल माधव फाउंडेशन ने कहा, ठयह एमएमएफ के लिए एक बड़ा कदम है क्योंकि यह हमारी पहली विज्ञापन फिल्म है और यह इस बात को मजबूत करती है कि शिक्षा की आवश्यकता क्यू है हमारे देश के बच्चों के लिए और उन्होने कहा,ङ्क एमएमएफ शिक्षा के लिए खड़ा है।

वास्तुकला के लिए मोरफोजेनेसिस का बढ़ा महत्त्व

भारतीय वास्तुशास्त्र में सबसे आगे होने का अनुमान २० साल तक मानने का मोरफोजेनेसिस सीरीज फ्रैंकफर्ट मेला फर्म के पहले मोनोग्राफ में विश्व स्तर पर शुरू की गई छबियां, मास्टर वास्तुकार में सुविधाओं के लिए पहले भारतीय अभ्यास के तौर पर किया गया। भारतीय परिप्रेक्ष्य में वैश्विक संदर्भ में यह बकाया मोनोग्राफ आवासीय की एक विशाल रेंज में परियोजनाओं के विषय में रोचक जानकारी उपलब्ध कराती है। जिसमें संस्थागत, व्यावसायिक, सत्कार, कार्यालयों, अंदरूनी, जनता और गुरु की योजना बनाकर तेजस्वी छवि का निर्माण कर संयोजन का व्यापक अध्ययन को प्रेरित करती है। यह भारत की स्थापत्य जड़ों और लगातार एक अनूठा प्रासंगिक भाषा के लिए निष्क्रिय डिजाइन द्वारातैयार किया गया है। इस पुस्तक के माध्यम से विभिन्न शिक्षण को प्रदान किया गया है। नागपूर में इंफोसिस परिसर के साथ दुनिया के सबसे टिकाऊ कार्यालय की इमारत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाया है। जिसमें २०,००० लोगों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं जैसे पानी, ऊर्जा और अन्य का समावेश किया गया है। भविष्य के लिए अनुकूल बनाने के लिए स्थायी योजना बनाने में एक मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। इस पुस्कर की मांग भारत के साथ ही देश और दुनिया में काफी बढ़ गई है। जिसका अधिकतर लोग लाभ उठा रहे हैं। इतना ही नहीं समय की मांग के अनुसार विशाल जनसंख्या वाले देश में ५५ से अधिक देशों में छात्रों द्वारा अपनाये जाने से अपनी सांस्कृतिक अनुभव को बढ़ाने में भी आसानी मिल रही है। जिसके लिए भारत में भी स्थायी वास्तुकला को समझने के लिए लोगों को जीवन में यह किताब आवश्यक हो गई है।